

APOLYTIKION OF THE HOLY ROBE AND BELT OF THE THEOTOKOS

ΘΕΟΤΟΚΕ ΑΕΙΠΑΡΘΕΝΕ, ΤΩΝ ΑΝΩΡΩΠΩΝ Η ΣΚΕΨΗ

July 2 and August 31

Ὕχος πλ. δ'

arr. S. Takis

Θε - ο - τό - κε α - ει - πάρ - θε - νε, τών αν - θρώ - πων η σκέ - πη, Ε -
The-o - to-ke a - i - par-the-ne, ton an - thro-pon i ske - pi, E -

- σθή - τα καί Ζώ - νην τού α - χράν - του σου σώ - μα - τος, κρα - ται -
- sthi - ta ke Zo - nin tou a - chran-dou sou so - ma - tos, kra - te -

- áν τή πό - λει σου πε - ρι - βο - λήν ε - δω - ρή - σω, τώ α - σπό - ρω -
- an ti po - li sou pe-ri - vo - lin e-dho - ri - so, to as - po - ro

τό - κω σου ά - φθαρ - τα δι - α - μεί - ναν - τα, ε - πι σοί γάρ καί
to - ko sou a-fthar - ta dhi - a - mi - nan - da, e - pi si ghar ke

φύ - σις και - νο - το - μεί - ται καί χρό - νος, δι - ó δυ - σω -
fi - sis ke - no - to - mi - te - ke chro - nos, dhi - o dhi - so -

- πού - μέν σε, ει - ρή - νην τή οι - κου - μέ - νη δω - ρή - σα -
- pou - men se, i - ri - nin ti i - kou - me - ni dho - ri - sa -

- σθαι, καί ταίς ψυ - χαίς η - μών τό μέ - γα έ - λε - ος.
- sthe, ke tes psi - ches i - mon to me - gha e - le - os.